

असाधाररा -EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं॰ 35] नई दिल्ली, सोत्रवार, जनवरी 20, 1986/पौष 30, 1907 No. 35] NEW DELHI, MONDAY, JAN. 20, 1986/PAUSA 30, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Suparate Pagit is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

विदेश मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 15 जनवरी, 1986

मा. का. नि 46(अ). — केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा, प्रत्यर्पण अधिनियम, 1962 (1962 का 34वां) की दूसरी सूची की मद 18 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपहरण विरोधी अधिनियम, 1982 (1982 का 65वां) और नागर विमानन सुरक्षा के विरुद्ध गर काननी हरकतों के अधिक्रमण अधिनियम, 1982 (1982 का 66वां) के अन्दर्गत अपराधों का संधि देशों को छोडकर, सभी विदेशी राज्यों और

राष्ट्रमंडल राज्यों के रूमबन्ध में प्रत्यर्णण अधिनियम, 1962 (1962 का 34वां) के अर्थ के भीतर प्रत्यर्णण अपराधों के रूप में विशेष उत्तरेख कराती है।

2 यह अधिमूचना 15 उनदरी, 1986 मे प्रभावी होगी ।

[एक एन एल/413/2/86] भी. श्रीनिवास राव, निदंश्क

MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS NOTIFICATION

New Delhi, the 15th January, 1985

G.S.R. 46(E).—In exercise of the powers conferred by item 18 of the Second Schedule to the Extradition Act, 1962 (34 of 1962), the Central Government hereby specifies the offences under the Anti-Hijacking Act, 1982 (65 of 1982) and the Suppression of Unlawful Acts against Safety of Civil Aviation Act, 1982 (66 of 1982), to be extradition offences within the meaning of the Extradition Act, 1962 (34 of 1962), in relation to all foreign States other than treaty States and in relation to Commonwealth comprise.

2. This notification shall come into force on 15th January, 1986

[F. N. L.1413 2 86]

P. SREFNIVASA RAO, Director.